IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शासकीय महाविद्यालयी छात्र और छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

नेहा शर्मा[1] शोध छात्रा

आजीवन शिक्षा प्रसार एवं समाज कार्य अध्ययनशाला जीवाजी विश्वविद्यालया ग्वालियर

डॉ. रमा त्यागी[2] शोध निर्देशिका

प्राचार्य, इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल एंड टेक्नीकल एजुकेशन, पिपरौली, ग्वालियर, (म.प्र.)

शोध सार – प्रस्तुत शोध पत्र शासकीय महाविद्यालयी छात्र और छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर लिखा गया है। यह उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों की कम्प्युटर आधारित शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर किए गए शोध का एक अंश है। इस अध्ययन में प्रतिदर्श ग्वालियर जिले से लिए गए। जिसमे शासकीय महाविद्यालय के छात्र 125 और छात्राएँ 125 थी। आंकड़ों का संकलन कम्प्युटर मनोवृत्ति मापनी से किया गया संकलन के बाद उनका विश्लेषण वर्णनात्मक और आनुमानिक विधियों से जैसे मध्यमान मानक विचलन आदि से किया गया अंतर की सार्थकता टी परीक्षण से ज्ञात की गयी। परिणाम मे पाया गया की लगभग सभी प्रतिदर्श कम्प्युटर शिक्षा के प्रति सकारात्मक मनोवृत्ति प्रदर्शित किए।

मुख्य शब्द – उच्च शिक्षा, कम्प्युटर, मनोवृत्ति।

प्रस्तावना – "उच्च शिक्षा (higher education) उच्च शिक्षा का अर्थ है सामान्य रूप से सबको दी जानेवाली शिक्षा से ऊपर किसी विशेष विषय या विषयों में विशेष, विशद तथा शूक्ष्म शिक्षा। यह शिक्षा के उस स्तर का नाम है जो विश्वविद्यालयों, व्यावसायिक विश्वविद्यालयों, कम्युनिटी महाविद्यालयों, लिबरल आर्ट कालेजों एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों आदि के द्वारा दी जाती है। प्राथमिक एवं माध्यमिक के बाद यह शिक्षा का तृतीय स्तर है जो प्रायरू ऐच्छिक (non & compulsory) होता है। इसके अन्तर्गत स्नातक परास्नातक (postgraduate education) एवं व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण आदि आते हैं"। विकिपीडिया(2021)

उच्च शिक्षा चिंतन मनन और आलोचना के स्तर की शिक्षा है। इस शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत बालक का मन इस काबिल बन जाता है, कि वह आलोचना कर सके, चिंतन कर सके, समस्या का समाधान कर सके और सृजनात्मक चिंतन कर सके। उच्च शिक्षा वह द्वार है, जहां पर शिक्षा प्रदान करने के कई वर्ग हो जाते हैं। जहां विज्ञान वर्ग कला वर्ग कॉमर्स वर्ग मेडिकल वर्ग और अन्य तरह के और वर्ग हो जाते हैं। निश्चित तौर पर कक्षा 12 तक प्रदान की जाने वाली शिक्षा में बहुत से आयाम नहीं होते बच्चों को एक निश्चित विषय पढ़ने होते हैं। परंतु कक्षा 12 को पास करने के बाद बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त

करने के संस्थाओं में जाता है, जहां पर उसे अपनी इच्छा अनुसार शिक्षा प्राप्त करने की आजादी होती है। भारत में उच्च शिक्षा कक्षा 12 के बाद प्रदान की जाती है, यह सिफारिश कोठारी कमीशन के द्वारा की गई थी। जहां पर 10+2+3 की बात की गई थी। कक्षा 12 के बाद 3 वर्ष का स्नातक प्रोग्राम और उसके बाद 2 वर्ष का परास्नातक किया स्नातकोत्तर प्रोग्राम भारत में कराया जाता है। व्यवसायिक स्तर पर कुछ पाठ्यक्रम चार वर्ष या पाँच वर्ष के भी होते है।

अध्ययन विधि – अध्ययन विधि में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि के अंतर्गत तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया गया। इस शोध पत्र हेतु 250 प्रतिदर्श का चयन किया गया और अध्ययन हेतु स्तरीकृत यादृक्षिक विधि का प्रयोग किया गया। आंकड़ों के संग्रह के लिए डॉ. ताहिरा खातून और मनिका शर्मा द्वारा बनाए गए कम्प्युटर मनोवृत्ति मापनी का उपयोग किया गया।

उद्देश्य – शासकीय महाविद्यालयी छात्र और छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना – शासकीय महाविद्यालयी छात्र और छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नही है।

आंकड़ों का विश्लेषण – आंकड़ों के विश्लेषण हेतु अनुमानिक सांख्यिकी की विधयों तथा वर्णनात्मक विधियों का उपयोग किया गया।

तालिका 1 शासकीय महाविद्यालयी छात्र और शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति की तुलना

चर	संख्या	कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति		टी मान$_{(250,248)}$
		माध्य	मानक विचलन	
शासकीय महाविद्यालयी छात्र	125	69.25	7.14	−3.488***
शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं	125	66.08	7.19	

***0.001 विश्वास स्तर पर सार्थक

तालिका में शासकीय महाविद्यालयी छात्र और शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति के विवरणात्मक और आनुमानिक सांख्यिकीय विश्लेषण को दर्शाया गया है। इस तालिका के अंतर्गत दोनों समूहों के माध्य (mean), मानक विचलन (standard deviation) तथा टी–टेस्ट के परिणाम को प्रदर्शित किया गया है। उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि शासकीय महाविद्यालयी छात्रों की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का माध्य 69.25 और मानक विचलन 7.14 है तथा शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का माध्य 66.08 और मानक विचलन 7.19 है। परिणामों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि शासकीय महाविद्यालयी छात्र और शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति ($t_{(250,248)} = -30488$, $p<0.001$) में सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर है। साथ ही आँकड़ों के विश्लेषण से यह पाया गया है कि शासकीय महाविद्यालयी छात्रों ($M = 69.25$, $SD = 7.14$) की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं ($M = 66.08$, $SD = 7.19$) की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति की तुलना में अधिक है। अतः निर्मित परिकल्पना "शासकीय महाविद्यालयी छात्र और शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है" पूर्णतः अस्वीकृत सिद्ध होती है, और वैकल्पिक परिकल्पना" शासकीय महाविद्यालयी छात्रों की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं से अधिक है" स्वीकृत की जाती है।

चित्र 1 शासकीय महाविद्यालयी छात्र और शासकीय महाविद्यालयी छात्राओं की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति

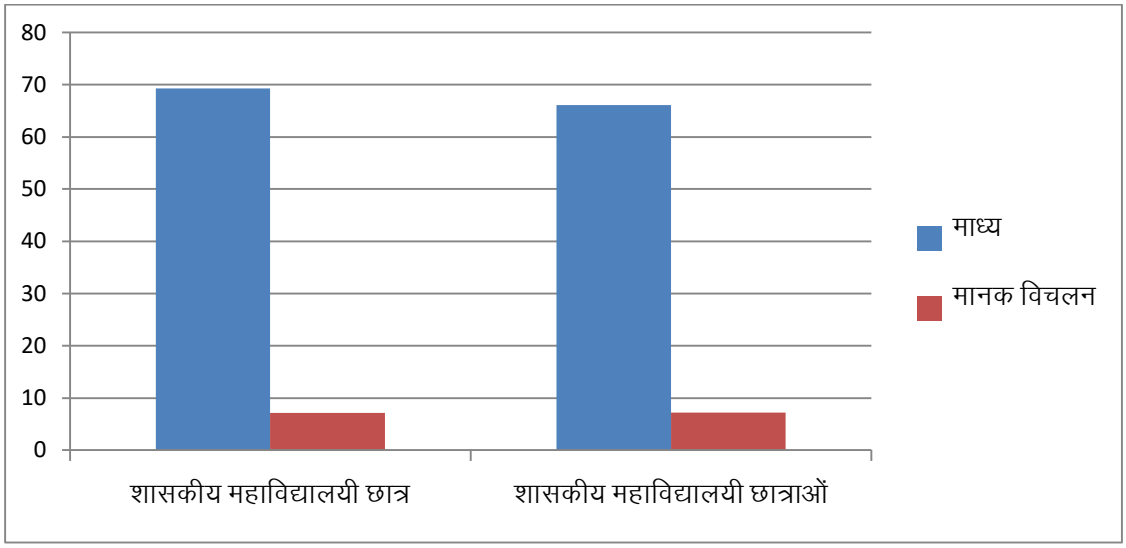

विवेचना – प्रस्तुत शोध उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे शासकीय महविद्यालय के छात्र और छात्राओं पर किया गया है। यह शोध कुल 250 विद्यार्थियों पर किया गया है। उच्च शिक्षा दो तरह से दी जाती है एक शासकीय महाविद्यालयों में दूसरा अशासकीय महाविद्यालय में। शोध में यह जानने का प्रयास किया गया है कि क्या शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों में जैसे लिंक के आधार पर कोई सार्थक अंतर कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति में पड़ता है। आँकड़ों के विश्लेषण पर यह पाया गया कि कुल मिलाकर सभी उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों कम्प्युटर आधारित शिक्षा के प्रति सामान्य मनोवृत्ति थी।

निष्कर्ष – प्रस्तुत शोध में उच्च शिक्षा के शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों की कम्प्युटर आधारित शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन किया गया इसमें क्षेत्र को छोटा करने के लिए शासकीय महाविद्यालय लिए गए ताकि एक गहन अध्ययन किया जा सके। जिस आयुवर्ग का चयन प्रतिदर्श में किया गया उसमें रोजगार एक प्रमुख समस्या होती है। सभी विद्यार्थियों में कम्प्युटर शिक्षा के प्रति अच्छी मनोवृत्ति पायी गयी। कम्प्युटर शिक्षा के प्रति शासकीय महाविद्यालय मे पढ़ने वाले चाहे छात्र हों या छात्राएँ सभी कम्प्युटर के प्रति सकारात्मक मनोवृत्ति रखते हैं।

सुझाव – प्रस्तुत शोध पत्र में केवल उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों शासकीय महाविद्यालयों की कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन किया गया है। इसके उपर प्रयोग कर के बढ़ाने और उसके बाद के प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है।

1. आगामी शोध में निजी विद्यालय के विद्यार्थियों को भी सम्मिलित किया जा सकता है।
2. कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति में अन्य प्रकार की शिक्षा भी शामिल है शोध में उन्हे भी शामिल किया जा सकता है।

संदर्भ –

1. एल्सेवीर डॉट कॉम (2022) कम्प्युटर के संदर्भ में किए गए अध्ययन कोरोना काल में।
2. मेंटल (2022) कम्प्युटर एडुकेशन एंड एट्टीट्यूड टूवर्ड कम्प्युटर एल्सेवीर
3. जान (2022) कम्प्युटर एडुकेशन का महत्व कोरोना काल में स्कूल और कॉलेज दोनों स्तर पर, एल्सेवीर

4. बेहरा, एस. के. (2011), द एडीडयूड ऑफ सेकेन्डरी स्कूल स्ट्रडेन्ट टूवर्ड कम्प्युटर एजूकेशन इन क्योन्जर डिस्टीक ऑफ उड़ीसारू ए स्टडी, वोल्यूम–3(32), 0974–2852

5. जाखड़, एस. (2010), ए स्टडी ऑफ साइको सोशल कंडीशंस एंड एटीट्यूड ऑफ लर्नर्स टूवर्ड इंटरनेट बेस्ड लर्निंग. शोध गंगोत्री।

6. बूच, एम.बी. (2009), द मेजरमेट ऑफ एटीटयूडस ऑफ सैकेण्डरी स्कूल टीचर्स टुवर्डस दी टीचिंग प्रोफेसन, जनरल ऑफ एजुकेसन, डिपार्टमेन्ट ऑफ क्यूरीकुलम टीचिंग एण्ड लर्निंग युनिवर्सिटी ऑफ ग्रेरोन्टों।

7. रिकार्ड, जी. एल. (2006), हाई स्कूल स्ट्रडेन्ट एट्टीयूड अवाउट फिजिकल एजुकेशन. स्पोर्ट एजुकेशन एण्ड सोसाइटी, वोल्यूम–11(4), जार्ज मासोम युनिवर्सिटी यू.एस.ए.।

8. तिवारी और भट्ट (2008), अध्यापक की परिवार नियोजन के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन. आगरा विश्वविद्यालय, आगरा (उ.प्र.)।

9. शुशान्त, पी. पाठक, एम. के.(2019), इंटर नेशनल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च एंड डेव्लपमेंट , 6(8)

10. सिंह एम.के.(2016), इंटर नेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्कीप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च 3(1) 50–52

11. शुक्ल मंजु (2009) कम्प्युटर शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति बी एच यू वाराणसी

12. जैनी ए एल (1991) टीचर प्रत्यक्षन ऑफ कम्प्युटर नीड

13. हानी प्रमेन्द्र (2009) इंस्टीट्यूट ऑफ प्रॉफेशनल स्टडीस इल्लाहबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद

14. विल्सन (2011) कम्प्युटर के प्रति स्वीकार की परीक्षा जर्नल ऑफ स्पेशल एडुकेशन

15. विलियम (2012) शिक्षण भाषा में तकनीकी की भूमिका मॉडर्न लंगेवेज जर्नल